हरिभूमि

सिरसा-फतेहाबाद भूमि

रोहतक, सोमवार 2 मार्च 2026

9 'होली के रंग-कवियों के संग' कार्यक्रम का आयोजन

10 घटती कृषि भूमि के दौर में किसानों के लिए बागवानी खेती प्रभावी विकल्प...

आज रात में फाल्गुन पूर्णिमा रहेगी

होलिका दहन आज रात, भद्रा के कारण होलिका दहन मध्य रात्रि के बाद शुभ

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

होली का त्योहार आमतौर पर दो दिनों का होता है। इस बार भद्रा के कारण होलिका दहन मध्य रात्रि के बाद शुभ माना गया है। श्री श्याम मंदिर के पुजारी पंडित सूरज शर्मा के अनुसार इस साल होली की तारीख को लेकर भ्रम है। मान्यता है कि होलिका दहन पूर्णिमा तिथि की रात में ही होना चाहिए। 2 मार्च की रात में फाल्गुन पूर्णिमा रहेगी इसलिए होलिका दहन इस रात में होगा लेकिन अधिकांश के अनुसार चंद्रग्रहण की वजह से होली तीन नहीं, 4 मार्च को खेली जाएगी। शास्त्रों के अनुसार होलिका दहन के समय भद्रा नहीं होनी चाहिए। होलिका दहन दिन में कभी नहीं करना चाहिए। इस बार होली की रात्रि में भद्रा का साया होने से होलिका दहन 2 मार्च सोमवार यानि आज मध्यरात्रि में करना श्रेष्ठ रहेगा। पंडित सूरज शर्मा के अनुसार भद्राकाल में होली का दहन करने से ग्राम मुखियाओं के लिए अशुभ फलों की कारक कही गई है। भद्रा के समय मध्यरात्रि बाद 1 बजकर 23 सही समय रहेगा। भद्रास्वरूप के बारे में पंडित सूरज शर्मा ने बताया कि पूर्व काल में देव असुरों के युद्ध में महादेव जी के शरीर से यह भद्रा उत्पन्न हुई है। दैत्यों के मारने के लिए गर्दभ के मुख और लंबे पूंछ सहित तीन पैरों से युक्त भई, सिंह जैसी ग्रीवा, प्रेत की सवारी, सात हाथ तथा शुष्क पेट वाली, महाभयंकर, विकरालमुखी कार्य सहित कर्ता को नष्ट करने वाली है। अग्नि की ज्वाला सहित देवों की भेजी हुई पृथ्वी पर उतरी है।

कल लगेगा चन्द्र ग्रहण, मंदिरों के कपाट बंद रहेंगे

ज्योतिर्विद सूरज शर्मा ने बताया कि कुंभ, मीन, कर्क, सिंह के चन्द्रमा में रहने से पृथ्वी में भद्रा रहती है। होली में चन्द्रमा सिंह राशि में है। जो होली के समय नुकसान का पूर्वाभास देता है। चन्द्र ग्रहण फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा मंगलवार, तीन मार्च को लगेगा। यह चंद्रग्रहण भारत के अधिकांश हिस्सों में ग्रस्तोदय रूप में दिखाई देगा यानी जब चंद्रमा उदय होगा, तब उस पर पहले से ग्रहण लगा रहेगा। शर्मा ने बताया कि खग्रास चन्द्र ग्रहण का स्पर्श सही समय 15:27 बजे, मध्यकाल 17:11 बजे तथा मोक्ष 18:56 बजे है। ग्रहण का सूतक सही समय प्रातः 6:27 बजे से यानि ग्रहण स्पर्श समय से 9 घंटे पहले प्रारम्भ होगा। गौरतलब है कि जहां चन्द्रोदय सही समय 18:56 बजे

के बाद होगा वहां ग्रहण दिखाई नहीं देगा। उन्होंने बताया कि यहां पर चन्द्रोदय शाम 6:25 बजे बजे होगा। इस दौरान मंदिरों के कपाट बंद रहेंगे। मंदिरों के कपाट फाग के दिन सुबह खुलेंगे।

होली पर्व को लेकर पुलिस अलर्ट, सुरक्षा के व्यापक प्रबंध

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने रविवार को बताया कि होली पर्व पुलिस को लेकर जिला पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए हैं। होली पर्व पर हुड़दंग, तेज रफ्तार वाहन चलाने, बुलेट मोटरसाइकिल से पटाखे छोड़कर दहशत फैलाने तथा शांति भंग करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में यातायात पुलिस सहित सभी थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं कि नियमों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उ न हों ने बताया कि जिला के सभी कस्बों, नेशनल हाईवे तथा मुख्य मार्गों पर

विशेष नाकाबंदी कर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है और संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों पर नजर रखी जा रही है। असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कसने और उन पर पैनी नजर रखने के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित गश्त के साथ-साथ दिन एवं रात्रि गश्त में भी बढ़ोतरी करें तथा संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखें। जिला की सीमाओं पर भी विशेष सतर्कता बरती जाएगी। पंजाब एवं राजस्थान से लगती सीमाओं पर चौकसी बढ़ाते हुए वहां से गुजरने वाले प्रत्येक व्यक्ति और वाहन की जांच की जाएगी। संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। सिरसा शहर के साथ-साथ ऐलनाबाद, रानियां, बड़ागुढा और चोपटा कस्बों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में भी सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने बताया कि फाग के दिन भीड़भाड़ वाले बाजारों में वर्दीधारी पुलिस कर्मियों के अतिरिक्त सादी वर्दी में भी पुलिस तैनात रहेगी। जहां महिलाओं का अधिक आवागमन रहेगा, वहां महिला पुलिस कर्मियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है।

खबर संक्षेप

स्कूटी चोरी मामले में आरोपी को किया काबू

फतेहाबाद। इलेक्ट्रिक स्कूटी चोरी के मामले में थाना शहर रतिया पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर चोरी की गई स्कूटी बरामद की है। थाना प्रभारी महिला निरीक्षक पुष्पा ने बताया कि इस बारे पुलिस ने मोती राम पुत्र प्रकाश चंद निवासी गावर सिटी, रतिया की शिकायत पर केस दर्ज किया था।

मारपीट व धमकी के मामले में दो भाई काबू

फतेहाबाद। मारपीट एवं जान से मारने की धमकी के मामले में थाना सदर टोहाना पुलिस ने दो आरोपियों को काबू किया है। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक शादी राम ने बताया कि शिकायतकर्ता महिला ने अपने बयान में कहा कि दीपक पुत्र जरनैल सिंह ने उसके पुत्र को रेहड़ा हटाने के लिए कहा, जिस पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई।

निगम टीम पर हमला करने पर दो युवक काबू

फतेहाबाद। बिजली निगम टीम पर हमला कर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने तथा जान से मारने की धमकी देने के मामले में कार्रवाई करते हुए सदर फतेहाबाद पुलिस ने दो आरोपियों को काबू किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि उपमंडल अधिकारी, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम टीम गांव कुम्हारिया क्षेत्र में बिजली चोरी पकड़ने के लिए गई थी।

कर्मचारियों की मांगों को लेकर मशाल जुलूस आज

सिरसा। हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड वर्कर्स यूनियन कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों के समर्थन में दो मार्च को मशाल जुलूस निकालेगी। यूनियन के प्रदेश प्रवक्ता श्यामलाल खोड ने बताया कि यह मशाल जुलूस बरनाला रोड स्थित बिजली घर से प्रारंभ होकर महाराजा सूरजमल चौक, बाबा भूमणशाह चौक से होते हुए शहीद भगत सिंह स्टेडियम में जाकर समाप्त होगा।

गर्मी का आगाज: मार्च के पहले हफ्ते से ही पारे में बढ़ोतरी के आसार

पश्चिमी विक्षोभ का असर, 4 तक बादलवाई व बूंदाबांदी की संभावना

फसलों की बढ़वार पर पड़ सकता है गर्मी का प्रभाव

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

गर्मी ने फरवरी के अंत से ही तेवर दिखाने शुरू कर दिए थे। रात के तापमान में ज्यादा गिरावट नहीं होने से दिन में गर्मी का असर अधिक महसूस किया जा रहा है। यह स्थिति फसलों की बढ़वार को भी प्रभावित कर सकती है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार 4 मार्च तक एक के बाद एक दो पश्चिमी विक्षोभ आएंगे। इसके कारण मौसम परिवर्तनशील बना रहेगा। बता दें कि फतेहाबाद में अधिकतम तापमान 31 डिग्री से ऊपर पहुंच गया है, जो समय से पहले गर्मी बढने का संकेत है। दिन के साथ-साथ रात का तापमान भी 15 से 16 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है। इसी बीच एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ दस्तक के प्रभाव से बादलवाई और बूंदाबांदी की संभावना जताई गई है। कृषि मौसम विज्ञान विभाग, चौ. चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के अनुसार प्रदेश में मौसम आमतौर पर 4 मार्च तक खुश्क परंतु परिवर्तनशील रहने की संभावना है। इस दौरान दो पश्चिमी विक्षोभ आने की संभावना है परंतु दोनों ही कमजोर है जिसके कारण बारिश की ज्यादा संभावना नहीं बन रही है। पहला पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से आज राज्य में कहीं-कहीं आंशिक बादल तथा हल्की से मध्यम गति से हवाएं चलने की संभावना है। दूसरा पश्चिमी विक्षोभ 3 मार्च रात्रि को आने की संभावना है जिसके आंशिक प्रभाव से 4 मार्च को मौसम परिवर्तनशील रहने की संभावना है। इस दौरान बीच-बीच में हवाओं में बदलाव आने की संभावना है। इस दौरान तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होने की संभावना है।

फतेहाबाद। बढ़ती गर्मी के चलते सुनसान पड़ा शहर का हाइवे।

फसल को खतरा

इस बार फरवरी में ही तापमान मार्च के बराबर आ गया था। अगर आगे भी तापमान ऐसे ही बढ़ता रहा तो यह गेहूं की फसल के लिए घातक होगा। दरअसल गेहूं की फसल के लिए इस समय 30 डिग्री तक तापमान सही है। अगर तापमान इससे ज्यादा बढ़ता है तो गेहूं की फसल बीमारी की चपेट में आ सकती है। इधर, कुछ किसानों ने गेहूं में पीलापन आने की बात भी कही है। कहीं-कहीं खासकर भट्टू क्षेत्र में पीले रेतुआ की भी शिकायत आ रही है। किसान गेहूं में हलकी सिंचाई करें। उम्मीद है कि मार्च के पहले सप्ताह मौसम में बदलाव आएगा। -राजेश सिहाग, डीडीए फतेहाबाद।

नपा कर्मचारियों ने दिया अल्टीमेटम

- अतिक्रमण हटाने के मामले ने पकड़ा तूल

हरिभूमि न्यूज ⏭जाखल

एक बार फिर नगर पालिका सफाई कर्मचारियों ने रोष प्रदर्शन करते हुए सख्त कार्यवाही की मांग की है। कर्मचारियों का कहना है कि जाखल थाना में शिकायत दिए तीन दिन का समय बीत चुका है परंतु अभी तक कोई कार्यवाही नही हुई है। उन्होंने कहा कि अगर सोमवार शाम तक कोई कार्यवाही नही हुई तो मंगलवार सुबह से शहर का कूड़ा उठान बंद कर दिया जाएगा। बता दे कि बीते दिनों नगर पालिका के कर्मचारी एक शिकायत के आधार पर अतिक्रमण हटाने के लिए शहर की मीना बाजार में गए थे। वहां पर कुछ लोगों द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए कर्मचारियों को गालियां निकाली गई थी, जिसकी वीडियो भी सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रही है। कर्मचारियों द्वारा सोमवार शाम तक सख्त कार्यवाही की मांग करते हुए अल्टीमेटम दिया गया है।

जाखल। नगर पालिका कार्यालय में रोष जताते कर्मचारी। *फोटो: हरिभूमि*

कार्रवाई नहीं होने पर सफाई कार्य करेंगे बंद

कर्मचारियों ने कहा कि अगर पुलिस ने कोई सख्त कार्यवाही नहीं की तो शहर में सफाई का कार्य पूर्ण रूप से बंद कर दिया जाएगा। अगर सोमवार शाम तक कार्रवाई नहीं हुई तो नगर पालिका के कर्मचारी मंगलवार को शहर का कूड़ा उठान का कार्य बंद कर देंगे, जिसे लेकर शहर में कूड़े के ढेर ही ढेर नजर आएंगे।

हथकड़ शराब सहित युवक को किया काबू

फतेहाबाद। एएनसी सेल फतेहाबाद ने अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को 34 बोतल अवैध हथकड़ शराब सहित काबू किया है। एएनसी सेल प्रभारी निरीक्षक यादवेंद्र ने बताया कि एसआई राजेंद्र प्रसाद अपनी टीम के साथ गांव खुनन बस अड्डा क्षेत्र में गश्त पर मौजूद थे। इसी दौरान सूचना प्राप्त हुई कि सतनाम सिंह उर्फ सत्ता अवैध हथकड़ शराब बेचने का कार्य करता है तथा शराब की कैनी लेकर बिक्री के लिए जाने वाला है। सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई।

सीवरेज का खुला ढक्कन दे रहा हादसों को निमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

जिला के गांव पन्नीवाला मोटा में गली के मुहाने पर सीवरेज का खुला ढक्कन हादसों को निमंत्रण दे रहा है। इस विभागीय अनदेखी को लेकर ग्रामीणों ने रोष जताते हुए समाधान की मांग की है। रोष व्यक्त कर रहे विजय कस्वां, जोतराम, गणेशा राम, धर्मपाल, अनिल कुमार, महावीर व मदन लाल ने बताया कि पंचायत विभाग द्वारा गांव में कुछ समय पूर्व सिवरेज पाइपें डाली गई थीं। जिसमें बाहरी फिरनी पर 17 नंबर गली के मुहाने पर सीवरेज की एक होद को बिना ढक्कन के खुला छोड़ दिया गया। ये खुला ढक्कन किसी भी समय हादसे का कारण बन सकता है। उन्होंने बताया कि गली का मोड़ होने के चलते विशेषकर रात के समय ये होद दिखाई नहीं देता जिसके चलते अप्रिय घटना हो सकती है।

फतेहाबाद में किसान महापंचायत आज

- सैकड़ों किसान होंगे शामिल, जगजीत डल्लेवाल समेत कई नेता पहुंचेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद में एमएसपी गारंटी कानून की मांग को लेकर किसानों की महापंचायत आज सोमवार को पुराना बस स्टैंड के सामने शेड के नीचे होगी। इस महापंचायत में किसान नेता सरदार जगजीत सिंह डल्लेवाल भी पहुंचेंगे। महापंचायत में जिलेभर से सैकड़ों किसान शामिल होंगे। भारतीय किसान यूनियन खेती बचाओ के प्रदेशाध्यक्ष जरनैल सिंह मलवाला ने बताया कि संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के आह्वान पर केंद्र सरकार द्वारा की गई वादा खिलाफी के विरोध और किसानों को जागरूक करने के लिए जगजीत सिंह डल्लेवाल के नेतृत्व में कन्याकुमारी से कश्मीर तक किसान जागृति यात्रा निकाली जा रही है। उनके साथ काफी किसान भी यात्रा में शामिल हो रहे हैं। मलवाला ने बताया कि यह जागृति यात्रा रतिया क्षेत्र में पहुंची। यात्रा का रात्रि ठहराव गुरुद्वारा श्रीअजीतसर साहिब रतिया में हुआ।

उठाई गई प्रमुख मांगें

मलवाला ने बताया कि इस जागृति यात्रा के जरिए एमएसपी पर फसल खरीद की कानूनी गारंटी लागू करने, स्वामीनाथन आयोग के फार्मूले के आधार पर एमएसपी तय करने, सभी फसलों पर एमएसपी की घोषणा और खरीद व्यवस्था मजबूत करने, भारत-अमेरिका ट्रेड डील से कृषि व डेयरी क्षेत्र को बाहर रखने की मांग की जा रही है। साथ ही किसानों और मजदूरों का पूरा कर्ज माफ करने की भी मांग उठाई गई है। उन्होंने कहा कि एक बार फिर केंद्र सरकार को जगाने के लिए यह कोशिश हो रही है।

लाखों रुपये की हेरोइन सहित तस्कर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

पुलिस ने सिरसा शहर क्षेत्र से एक नशा तस्कर को लाखों रुपये की हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए तस्कर की पहचान सिरसा जिले निवासी रोहित कुमार के रूप में हुई है। एसपी दीपक सहारण ने रविवार को बताया कि एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान शहर के रोड़ी बाजार क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान डकोतों वाली गली से एक युवक आता दिखाई दिया जो कि पुलिस टीम को देखकर वापस मुड़कर भागने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर उसे दबोच लिया और तलाशी ली तो उसके कब्जे से करीब 27 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ शहर थाना में मामला दर्ज किया गया है।

क्या कहते है एसपी

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि जिला सिरसा में नशा तस्करी को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नशा मुक्त समाज के निर्माण हेतु पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा तथा नशा तस्करों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सिरसा। पकड़ा गया हेरोइन तस्कर। *फोटो: हरिभूमि*

जाखल क्षेत्र में चलाया तलाशी अभियान

- पुलिस ने डॉग स्क्वॉड, कमांडो टीम के साथ संदिग्ध बैग, वाहनों एवं स्थानों की जांच की

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

थाना जाखल क्षेत्र में पुलिस टीम ने रविवार को डॉग स्क्वॉड टीम, कमांडो टीम के साथ सघन तलाशी अभियान चलाया। अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में अपराध एवं नशा गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना तथा आमजन में सुरक्षा का विश्वास बढ़ाना रहा। थाना जाखल प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेश ने बताया कि अभियान के दौरान बस अड्डा, बाजार क्षेत्र, सार्वजनिक पार्क, सुनसान स्थानों तथा संवेदनशील इलाकों में गहन तलाशी ली गई। डॉग स्क्वॉड की सहायता से संदिग्ध बैग, वाहनों एवं स्थानों की बारीकी से जांच की गई।

फतेहाबाद। जाखल क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाते पुलिस टीम। *फोटो: हरिभूमि*

संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने का आह्वान

पुलिस टीमों ने क्षेत्र के दुकानदारों व आम नागरिकों से संवाद स्थापित कर किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने का आह्वान किया। इस सर्च ऑपरेशन के माध्यम से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया गया तथा सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार ऐसे अभियान भविष्य में भी लगातार जारी रहेंगे ताकि अपराध एवं नशा तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके और आमजन को सुरक्षित वातावरण प्रदान किया जा सके।

मिसाल — नशे की दलदल से नई दिशा तक, मनीष की वापसी की भावनात्मक और प्रेरक कहानी

नशे के दलदल से निकल मनीष ने थामा स्टेयरिंग कहा- दोस्तों के कहने पर किया था शराब का सेवन

- परिवार की आर्थिक स्थिति डगमगाने लगी, मोहल्ले के लोग बनाने लगे थे दूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

कभी नशे की गिरफ्त में जकड़ा गांव भिरड़ाना का 21 साल का मनीष कुमार अब अब नशे की दलदल से बाहर निकल कर सामान्य जीवन जीने लगा है। अब ट्रक का स्टेयरिंग थाम कर मनीष परिवार का कारोबार संभाल रहा है। मनीष बताता है कि तीन वर्ष पूर्व एक शादी समारोह में दोस्तों के कहने पर उसने पहली बार शराब का सेवन किया। 'कुछ नहीं होता' कहकर दोस्तों ने उसे बहकाया। यही एक कदम धीरे-धीरे अफीम, भूकी पोस्त, चिट्टा और फिर मेडिकल नशे तक पहुंच गया। नशे की लत इतनी बढ़ गई कि घर का ट्रांसपोर्ट व्यवसाय प्रभावित होने लगा। परिवार की आर्थिक स्थिति डगमगाने लगी। मोहल्ले के लोग दूरी बनाने लगे। घरवालों की आंखों में भय और असहायता साफ दिखाई देने लगी। मनीष स्वयं को असफल, निरर्थक और बोझ समझने लगा। उसकी जिंदगी निराशा के अंधेरे में डूब चुकी थी।

फतेहाबाद। नशा छोड़ने के बाद ट्रक ड्राईवरी करता मनीष। *फोटो: हरिभूमि*

आत्मसम्मान से जी रहा

आज मनीष अपने परिवार के चार ट्रकों का संचालन कर रहा है और स्वयं ड्राइविंग करता है। उसके चेहरे पर आत्मविश्वास है और आंखों में नई उम्मीद है। वह कहता है कि अगर फतेहाबाद पुलिस और एसपी का मार्गदर्शन न मिलता, तो मैं शायद आज जिंदा भी नहीं होता। उन्होंने मुझे डांटा नहीं, संभाला। मुझे जीवन की नई राह दिखाई। मैं जीवनभर उनका ऋणी रहूंगा। वह आगे युवाओं से अपील करता है कि गलत संगत से बचो। नशा आजादी नहीं, गुलामी है। मैंने इसे भुगता है। समय रहते संभल जाओ। आज मनीष गर्व से कहता है कि पहले मेरी जिंदगी नर्क थी, अब मैं शान से जी रहा हूं।

संकल्प ने बदल दी दिशा

अप्रैल 2025 में सिद्धांत जैन ने पुलिस अधीक्षक, फतेहाबाद के रूप में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने संकल्प लिया कि फतेहाबाद को नशा मुक्त बनाना है। तस्करों पर कठोर प्रहार होगा और युवाओं को नई जिंदगी दी जाएगी।इसी सोच के साथ ऑपरेशन जीवन ज्योति की शुरुआत की गई। नशा मुक्ति टीम को पुनर्गठित कर गांव-गांव, वार्ड-वार्ड और गली - मोहल्लों में जागरूकता शिविर एवं परामर्श कार्यक्रम चलाए गए। इसी दौरान गांव भिरडाना में आयोजित एक नशा मुक्ति शिविर के दौरान मनीष की माता ने कांपती आवाज में अपने बेटे की हालत बताई।

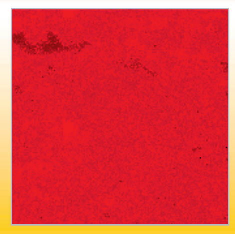

अबीर-गुलाल

अबीर-गुलाल हिंदू परंपरा में होली के त्यौहार और पूजा-पाठ में उपयोग किया जाने वाला एक रंगीन, सुगंधित और सूखा पाउडर है, जो मुख्य रूप से प्राकृतिक चीजों से बनता है। गुलाल आमतौर पर गुलाबी रंग से जुड़ा है, जबकि अबीर सुगंधित पाउडर होता है। इसे होली पर एक-दूसरे पर लगाने और देवताओं को चढ़ाने के लिए उपयोग किया जाता है। परंपरागत रूप से ऑर्गेनिक (100% प्राकृतिक) होता है, हालांकि अब केमिकल वाले विकल्प भी बाजार में हैं।

फागण के उल्लास का नाम है होली-धुलेंडी

होलिका दहन की प्रक्रिया जितनी आध्यात्मिक है, उतनी ही लोक-कला और श्रमसाध्य साधना से ओत-प्रोत भी है। फाल्गुन पूर्णिमा की दहकती अग्नि के शीतल होते ही उसकी राख के साथ उल्लास का एक अध्याय शुरू होता है जिसे दुनिया 'धुलंडी' या 'फाग' के नाम से जानती है। फाग केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि एक जीवंत लोक-अनुष्ठान है।

पर्व

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा में होली केवल रंगों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह वह संधि-काल है जहां सामाजिक जड़ता का अंत होता है और मानवीय रिश्तों की ऊष्मा का नया अध्याय शुरू होता है। यह महापर्व प्रतिवर्ष फाल्गुन मास की पूर्णिमा की उस मंगलकारी तिथि को मनाया जाता है, जब चंद्रमा अपनी पूर्ण सोलह कलाओं के साथ आकाश में उदित होकर धरती पर अमृत की वर्षा करता है और प्रकृति अपने बसंती यौवन के चरम पर होती है।

हरियाणवी लोक-जीवन में इस पावन उत्सव के पीछे वह कालजयी पौराणिक कथा छिपी है, जो युगों-युगों से अधर्म पर धर्म की विजय का उद्घोष कर रही है। यह कथा असुरराज हिरण्यकश्यप और उसके परम विष्णु-भक्त पुत्र प्रहलाद की है। हिरण्यकश्यप ने कठिन तपस्या के बल पर ब्रह्मा जी से 'अजेय' होने का ऐसा अनूठा वरदान पा लिया था, जिसने उसे मृत्यु के भय से मुक्त कर दिया था। वरदान के मद में चूर होकर उसने स्वयं को ही 'भगवान' घोषित कर दिया और अपनी प्रजा को विवश किया कि वे केवल उसी की पूजा करें। नियति का विधान देखिए कि उसके अपने ही महल में प्रहलाद के रूप में एक ऐसे पुत्र ने जन्म लिया, जो जन्म से ही 'नारायण-नारायण' की रट लगाए हुए था। प्रहलाद की यह अनन्य भक्ति हिरण्यकश्यप के अहंकार को सीधी चुनौती थी। पिता ने पुत्र के भीतर की इस दैवीय लौ को बुझाने के लिए क्रूरता की सारी सीमाएं पार की। कभी प्रहलाद को ऊंचे पहाड़ों से नीचे गहरी खाइयों में फिंकवाया गया, कभी मतवाले हाथियों के पैरों तले कुचलवाने का प्रयास हुआ तो कभी कालकोठरी में विषधर सर्पों के बीच छोड़ा गया। किंतु हर बार, उस नन्हे बालक की अडिग श्रद्धा और विश्वास के सामने हिरण्यकश्यप के कुटिल प्रहार निष्फल हो गए। अंततः, जब कोई उपाय न सूझा, तो हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका का सहारा लिया। होलिका को यह वरदान प्राप्त था कि वह अग्नि में नहीं जल सकती और उसके पास एक ऐसी चमत्कारी चुनरी थी, जो अग्नि के ताप को सोख लेती थी। फाल्गुन पूर्णिमा के दिन, जब विशाल चिता सजाई गई और होलिका प्रहलाद को अपनी गोद में लेकर उस धधकती अग्नि के बीच जा बैठी, तो एक दैवीय चमत्कार हुआ। वह वरदानी चुनरी होलिका के शरीर से उड़कर बालक प्रहलाद पर जा लिपटी। छल और अधर्म की प्रतीक होलिका उसी क्षण भस्म हो गई, जबकि अखंड विश्वास और सत्य के प्रतीक प्रहलाद अग्नि की लपटों के बीच से मुस्कुराते हुए सुरक्षित बाहर आए।

होलिका दहन की प्रक्रिया जितनी आध्यात्मिक है, उतनी ही लोक-कला और श्रमसाध्य साधना से ओत-प्रोत भी है। पूर्णिमा से कई सप्ताह पूर्व ही गांव के हर घर में 'बड़कुले' बनाने का काम एक पर्व की तरह शुरू हो जाता है। घर की महिलाएं और बच्चे गाय के गोबर से छोटे-छोटे छेद वाले गोल उपले, ढाल, तलवार, सूरज, चांद और कंघी के आकार के खिलौने बड़ी श्रद्धा से बनाते हैं। इन्हें 'बड़कुलों' के साथ मूंज की रस्सी में पिरोकर जो माला तैयार की जाती है, वह वास्तव में हरियाणा के 'पशुधन' और 'कृषि' के प्रति गहरी कृतज्ञता की प्रतीक है। पूजा के दिन हाथों में जल का लोटा, रोली, अक्षत, कच्चा सूत, गुड़ और बड़कुलों की माला लेकर गांव की महिलाएं समूह में पारंपरिक 'जकड़ियां' और मंगल गीत गाती हुई होलिका स्थल पर पहुंचती हैं। इन लोकगीतों में भक्त प्रह्लाद की कथा का वर्णन प्रभावित करता है....

गोदी के अंदर भगत राम राम रह्या टेर
जब तै चरचा सुणी थी हर की, राम नाम की लगी लगन
समझाया था एक न मानी दरसन की थी लगी लगन

होली के लोकगीतों में जनसाधारण का ऐतिहासिक ज्ञान और भक्तिभाव भी दिखाई पड़ता है .....

लिछमन कै बाण लगा रै सक्ती लिछमन कै।
ऐसा रै होय कोई बीरा नै जिवाले,
आधा राज सवाई धरती, लिछमन कै।
कै तो जिवाले सीता रै सतवंती,
कै तो जिवाले हनुमान जती, लिछमन कै।

महिलाएं पूजा करने से पहले कच्चे सूत के धागे से होलिका के सात फेरे लेती हैं, जो सामाजिक और पारिवारिक सुरक्षा कवच के प्रतीक हैं। पूजा के अंत में, वे अपने बनाए हुए 'बड़कुले' उस ढेर पर चढ़ा देती हैं। लोक-मान्यता है कि ये बड़कुले साल भर की 'नज़र' और बीमारियों को अपने भीतर सोख लेते हैं और दहन के समय उन्हें सदा के लिए भस्म कर देते हैं। जैसे-जैसे पूर्णिमा की रात गहराती है, हरियाणा की गलियों में हुड़दंग और उल्लास का शोर अपनी सीमाओं को लांघने लगता है। जब गांव के पुरोहित और बड़े-बुजुर्ग शुभ मुहूर्त में अग्नि प्रज्ज्वलित करते हैं, तो पूरा आकाश 'होली मैया की जय' और 'भक्त प्रहलाद की जय' के उद्घोष से गूंज उठता है। इस अग्नि के घेरे में ग्रामीण अपनी नई फसल विशेषकर जौ और गेहूं की अधपकी बालियों को लंबी लकड़ियों में फंसाकर पवित्र ज्वाला में सेंकते हैं, जिसे हरियाणा की ठेठ बोली में 'हौले सेंकना' कहा जाता है। इन भुने हुए दानों को 'प्रसाद' के रूप में एक-दूसरे को बांटना प्रदेश की उस 'साझा संस्कृति' का अनूठा उदाहरण है, जहां अपनी पहली फसल का स्वाद चखने से पहले पूरे गांव का मुंह मीठा कराया जाता है। फाल्गुन पूर्णिमा की दहकती अग्नि के शीतल होते ही उसकी राख के साथ उल्लास का एक अध्याय शुरू होता है जिसे दुनिया 'धुलंडी' या 'फाग' के नाम से जानती है। फाग केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि एक जीवंत लोक-अनुष्ठान है, जहां समाज की ऊंच-नीच, उम्र का फासला और हर प्रकार का संकोच हवाओं में उड़ते गुलाल में मिलकर एकाकार हो जाता है। फाग की सबसे विशेष और रोमांचक पहचान है 'कोरड़ा मार होली'। यह परंपरा देवर और भाभी के उस पवित्र और ठिठोली भरे रिश्ते का चरमोत्कर्ष है, जो हरियाणवी लोक-जीवन की आत्मा है। इस दिन महिलाएं किसी शक्ति-पुंज की तरह उभरती हैं। भाभियां अपने दुपट्टों या कपड़ों को पानी में भिगोकर उससे 'कोरड़ा' बनाती हैं। दूसरी ओर, देवर और गांव के पुरुष रंगों और पानी की बौछारों के साथ उन पर धावा बोलते हैं। यह एक ऐसा दृश्य होता है जहां पौरुष का सामना नारी-शक्ति के उस 'कोरड़े' से होता है, जो प्रेम की मार का प्रतीक है। देवर अपने बचाव के लिए बाल्टियां भर-भर के रंग डालते हैं, लेकिन भाभी के कोरड़े की मार को हंसते-हंसते सहन करना ही उस दिन का सबसे बड़ा पौरुष माना जाता है। कुछ स्थानों पर तो यह उल्लास आनंद की पराकाष्ठा को प्राप्त करता है, जब फाग खेलते समय गोबर, कीचड़ और तेल का प्रयोग भी धुलेंडी खेलते समय देवर-भाभियों द्वारा किया जाता है, लेकिन मनों में थोड़ा-सा भी दुराव नहीं होता। वास्तव में अगर सालभर में किसी के मन में किसी के प्रति कोई मालिन्य आ भी गया हो तो फाग खेलने के बाद दूर हो जाता है। जैसे-जैसे दोपहर चढ़ती है तो 'फाग' के गीतों की गर्जना आसमान को छूने लगती है। फागण के लोकगीत भी अद्भुत खुशी देते हैं और मस्ती का सृजन करते हैं। यह वह समय है, जब बच्चों और बड़ों के साथ-साथ बुजुर्गों से भी मजाक करते हुए गीत गाए जाते हैं...

काची अम्बली गदराई सामण मैं
बुड्ढी री लुगाई मस्ताई फागण मैं
कहियो री उस ससुर मेरे नै बिन घाली लेजा फागण मैं
कहियो री उस बहुए म्हारी नै चार बरस डट जावे

पीहर मैं फागण का मस्ती से भरा लोकगीत देखिए..

फागण के दिन चार री सजनी, फागण के दिन चार।
मध जोबन आया फागण मैं फागण बी आया
जोबन मैं झाल उठे सैं मेरे मन मैं
जिनका बार न पार री सजनी, फागण के दिन चार..

हरियाणा में फाग का यह हुड़दंग 'लूर' नृत्य के बिना अधूरा है। लूर नृत्य में महिलाएं दो पंक्तियों में खड़ी होकर प्रश्न-उत्तर की शैली में गीत गाती हैं। फाग के दौरान हरियाणा का खान-पान भी अपने विशेष रंग में होता है। घर-घर में 'गुझिया', 'शक्करपारे' और दूध-केसर की 'ठंडाई' का दौर चलता है। कई गांवों में आज भी 'सामूहिक भोज' की परंपरा है, जहां पूरा गांव एक जगह बैठकर भोजन करता है, जो सामाजिक समरसता का सबसे बड़ा उदाहरण है।

फाग के इस मदमस्त उल्लास में एक और महत्वपूर्ण पक्ष 'स्वांग' और 'रागनी' का है। शाम होते-होते जब रंगों का खेल थमता है, तो चौपालों पर रागनी की महफिलें सजती हैं। इन रागनियों में फाल्गुन की महिमा, वीरों की गाथाएं और हास्य-व्यंग्य की ऐसी बौछार होती है कि दिन भर की थकान कपूर की तरह उड़ जाती है। लोग नहा-धोकर, सफेद कुर्ता-पायजामा और खाकी खंडवा पहनकर एक-दूसरे के घर गले मिलने जाते हैं। असल में हरियाणा में होली और धुलंडी का यह पर्व केवल तिथि विशेष का आयोजन नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक समरसता का महापर्व है। जहाँ होली की अग्नि व्यक्तिगत अहं और संचित कड़वाहटों को स्वाहा कर मन को सात्विक बनाती है, वहीं धुलंडी का हुड़दंग रिश्तों की मर्यादाओं को प्रेम और ठिठोली के नए रंगों से सींचता है। यह उत्सव प्रमाणित करता है कि हरियाणा की सांस्कृतिक आत्मा में जितनी कठोरता पौरुष की है, उतनी ही तरलता सामूहिक आनंद और अटूट भाईचारे की भी है।

कविता | **सविता गर्ग सावी**

फागण रंग रंगीला

फागण आया रंग रंगीला
रक्का पड़ रया भारी
हरियाणे मैं होली खेलन
आए कृष्ण मुरारी

कमर के ऊपर बांध के पटका
बंसी बीच फसाई
रूप अनोखा देखन आए
सारे लोग लुगाई
कट्ठी हो के सखियां नै फेर
घेर लिए गिरधारी
हरियाणे मैं होली खेलन
आए कृष्ण मुरारी

राधा रानी बन के जाटनी
ले के कोरडा आई
गिरधारी की खैर नहा
सोच सोच मुसकाई
आज जगत के रखवाले प
पड़ री जाटनी भारी
हरियाणे मैं होली खेलन
आए कृष्ण मुरारी।

कविता | **दलबीर सिंह फूल**

बाळक पण की होळी

छुट्या लहारसा खेलण का
ना खेलणिया की टोळी
याद भतेरी आवै सै मेरै
बाळक पण की होळी

कैरा आळी लकड़ी का हम
डाण्डा काट्या करते
कट्ठे होकै टाबर सारे
डाण्डा गाड्या करते
छड़ी भींटका ठावण तै फेर
ना कोय नाट्या करते
होळी ऊंची चढावण नै हम
रात्यूं हाण्डया करते
नित नये सांग काढया करते
लेकै हाथ लठोळी
याद भतेरी आवै सै मेरै
बाळक पण की होळी

ईब देख इस होळी नै
आख्यां मैं खून उतरता
कोय पुराणी रंजीस हो
वो इस द्यन पूरी करता
कीचड़ गारया फैकण लागे
देख -देख मैं डरता
कोळी भरकै मिलै नही तो
कोन्या जी सा भरता
हाथ मिला कै दूर हटैं
बात हुई सब ओळी
याद भतेरी आवै सै मेरै
बाळक पण की होळी

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

हरियाणवी होली | **प्रदेश में यो त्योहार भाईचारा बढाण का अर मखौल (मजाक) करण का मौका सै**

बुऱा ना मानियो, रंग तो लागैगा

रंगों का त्योहार | **फीचर डेस्क**

राम-राम भाइयो और बहणो! आगी होली! हरियाणा की होली सिर्फ रंगों का त्यौहार कोन्या ये तो भाईचारा बढाण का और सबसे ज्यादा मखौल (मजाक) करण का मौका सै। हरयाणे में होली का मतलब है-चाहे कोई कितणा भी तगड़ा 'चौधरी' क्यूं न हो, आज तो वह 'बहुरूपिया' बनकर ही घर लौटेगा।

धोती-कुर्ता और पक्के रंग की जंग

होली के दिन सबसे पहले तो अलमारी में से वो 'सफेद कुर्ता-पजामा' या धोती निकाली जावे सै जो साल भर से 'कोमा' में थी। क्योंकि यो भाई हरयाणे में 'गुलाल' से होली कोन्या खेली जावे, इत्थे तो 'पक्का रंग' चाले सै-हरा नीला पीला... जो हफ्ता भर थारे चेहरे पे थारी 'पहचान' बणाए राखेगा।

बुरा न मानियो, सबसे बड़ा बहाना

गाम में टोली बण के निकड़े हैं युवा। कोई बाल्टी लेकर, कोई पिचकारी। गली में जो भी मिल गया समझो 'खत्म'। कोई आंटी-ताऊ अगर ना भी कहें तो भी पीछे से आवाज़ आवे सै—'अरे ताऊ बुरा न मानियो आज तो होली है!' और ताऊ भी क्या करें? मखौल में रंग लगवाना ही पड़े सै।

भाभी और देवर का 'फाग'

हरियाणवी होली में सबसे मजेद्दार सीन होवे सै जब भाभी-देवर का 'फाग' (होली के गीत) चले सै। देवर अपनी भाभी को हराने के लिए पूरा गाम छान मारता है। भाभी-देवर के मखौल में रंग और गुलाल की ऐसी बौछार होवे सै कि 'मेरा रंग जमा जा तू' के सुर गूंज उठें। इस दिन भाभी देवर को कोलड़े मारती है और देवर उससे बचाव के तरीके अपनाता है।

देसी होली का स्वैग

रंग खेलने के बाद की असली कहानी तो गुझिया और ढोकले (या घर की बनी रोटियां) के साथ चले सै। घर-घर जाकर रंग लगाना और फिर 'के हाल सै भाई?' कहकर गले मिलना ही असली हरियाणवी भाईचारा है।

वो खास रंगीले साथी

हर गाम में एक-दो ऐसे 'काका' या 'ताऊ' ज़रूर होते हैं, जो होली के सबसे बड़े शिकार होते हैं। वो गली के कौने में छुपे मिलेंगे, पर गाम के छोरे उन्हें ढूँढ ही लेंगे। 'आज तो संतोष भाभी का गुलाल लगा और चोट बड़ा पहचान भी कौन है!'- ये माहौल रहता है!

निष्कर्ष : होली का मतलब है पुराना वैर-भाव भूलकर रंगां में रंग जाणा। चाहे कितना ही कोई 'धोरा' (पास) आने से डरे पर हरयाणे की होली में 'रंग तो लागैगा मखौल तो होवैगा!' तो उठाइए बाल्टी, मिलाइए पक्का रंग और कहिए- बुऱा न मानियो होली सै भाई!

चटपटे होली चुटकुले

पति-पत्नी की लट्ठमार होली

एक घर से रमन और उनकी पत्नी निशा के हंसने की बहुत आवाजें आती थीं। मोहल्ले के लोग खुशहाली का राज जानने पहुंचे।
रमन बोला- 'बहुत सरल है, हमारे यहां मेरी बीवी बेलन, चिमटा आदि फेंककर मारती है। हम लट्ठमार होली खेलते हैं! अगर मुझे लग जाता है तो वो हंसती है और नहीं लगता है तो मैं हंसता हूं।'

नाले में 'मेहबूबा'

योग स्वामी दामदेव को गाने का बड़ा शौक था। होली की मस्ती और भांग के रंग में वे गाते हुए जा रहे थे- 'मेहबूबा, मेहबूबा...'तभी छपाक से एक नाले में गिर गए!

अब उनकी कांपती हुई आवाज आई- 'मैं डूबा, मैं डूबा...!'

होली और नहाना

एक आदमी होली पर गाना गुनगुना रहा था- 'घर में नहीं है पानी तो होली कैसे मनाऊं रे!'

पड़ोसी ने सुना तो कहा- 'भाई, पानी हो न हो, होली तो मनानी ही चाहिए। उधार लेकर ही सही, साल में कम से कम एक बार तो नहाना ही चाहिए!'

रंग की बाल्टी की दूरी

एक आदमी सड़क पर सफेद पट्टी रंगने का काम कर रहा था। पहले दिन उसने 6 मील पुताई की, दूसरे दिन 3 मील और तीसरे दिन सिर्फ 1 मील। ठेकेदार ने कारण पूछा तो उसने कहा- 'साहब, काम तो मैं जल्दी ही कर रहा हूं, पर हर अगले दिन मुझे बाल्टी तक वापस आने के लिए बहुत लंबी दूरी तय करनी पड़ती है!'

दारू छोड़ने का इरादा

एक शराबी बोला- 'आज होली है, सोच रहा हूं दारू छोड़ दूं... लेकिन किसके पास छोड़ूं? फेर कई देर सोचे पाछे बोल्या, सभी दोस्त साले कमीने हैं, होली के पहले ही पी जाएंगे!'

होली की दुल्हंडी : रंग, राड़ अर रसभरी ठिठोली

इंद्रधनुष | **फीचर डेस्क**

हरियाणा में होली के अगले दिन आवे सै दुल्हंडी (धुलेंडी)। यो दिन असल में रंगां की "फुल एंड फाइनल सेटलमेंट" सै। होलिका दहन की आग ठंडी हो जावे सै, पर गांव के छोऱ्यां की शरारतां की आग और तेज हो जावे सै। दुल्हंडी का मतलब साफ सै—आज कोई नहीं बचेगा, चाहे वो कित्ता ही बड़ा ज्ञानी, सयाणा या सीधा क्यों ना हो। सुबह-सुबह गांव में अजीब सी खामोशी दिखे सै, पर यो तूफान से पहले की शांति हो सै। छोरे पहले ही रात नै बाल्टियां भर के रख लें सै। किसी के घर के आगे ड्रम, कहीं टंकी, कहीं पाइप सीधे नल पे फिट।

जैसे ही पहला भोला-भाला आदमी गली में निकले, चारों तरफ से हमला—रंग, पानी, कीचड़, गुलाल! बेचारा समझे कि दूध लेने निकला था, पर वापस आवे सै तो पूरा "चलता-फिरता इंद्रधनुष" बन के।

दुल्हंडी में एक खास बात हो सै- आज "ना" का कोई मतलब ना हो। अगर कोई बोले, "भाई मैं रंग ना खेलूं," तो समझ लो उसके ऊपर स्पेशल पैकेज लागू हो गया। दो छोरे हाथ पकड़ें सै, तीसरा बाल्टी उड़ेल दे सै, चौथा फोटो खींच ले सै। फेर शाम नै वही फोटो पूरे गांव में घूमे सै।

गांव की ताई-चाची भी कम ना सै। जद छोरे ज्यादा उधम मचावें सै तो ताई बाल्टी ले के तैयार। बोले- "रुको, मैं बताऊं असली रंग के हो सै!" अर एक ही वार में सारे हीरो जमीन पे। बाद में वही ताई गुजिया खिलावै सै अर कहे- "बुरा मत मानियो, दुल्हंडी सै।" दुल्हंडी का सबसे मजेदार सीन तो तब बने सै जद कोई नया दामाद पहली बार ससुराल आवे। बेचारा सोच के आवे सै कि इज्जत होगी, सत्कार होगा। पर यहां तो पहले से ही कमेटी बैठी हो सै—"आज जीजा की खैर ना।" जैसे ही जीजा बाहर निकले, रंग की बौछार। एक बार तो एक जीजा के जूते तक गुलाबी कर दिए। दो दिन बाद

ऑफिस गया तो सहकर्मी पूछें—"सर, आप होली खेले थे या पेंट की दुकान में गिरे थे?" दुल्हंडी में खाने-पीने का भी अलग ही सिस्टम सै। सुबह से ही घर-घर पकवान। पर छोरे इतने व्यस्त हों सै रंग में कि खाने का टाइम ही ना मिले। जद थक जावें सै, तब याद आवे सै कि पेट भी कोई चीज हो सै। गुजिया, दही-बड़े, मठरी सब ऐसे साफ हों सै जैसे गांव में टिड्डी दल आ गया हो। अर भाई, कुछ "खास" लोग भांग की ठंडाई भी पी लें सै। फेर दुल्हंडी के रंग में दर्शनशास्त्र शुरू हो जावे सै।

एक काका बोले- "रंग असल में जिंदगी का प्रतीक सै।" दूसरा जवाब दे- "पहले तू घर जा, तेरी घरवाली प्रतीक समझा देगी।" चौपाल में हंसी का फव्वारा फूट पड़े सै। पहले के टाइम में दुल्हंडी ज्यादा सादी अर ठेठ होती थी। टेसू के फूल उबाल के रंग बनावें सै, कीचड़ भी चलता सै। अब के टाइम में डीजे, स्पीकर, कलर स्प्रे अर सेल्फी स्टिक आ ली सै। पर असली मजा तो गांव की गलियां में ही सै-जहां हर कोई एक-दूजे के घर बिना बुलावे घुस जावे सै, अर बोले-"आज तो रंग लगाके ही मानूंगा।"

दुल्हंडी का असली मतलब राड़-झगड़ा ना, बल्कि दिल खोल के हंसणा सै। जो मन में गिला-शिकवा हो, रंग लगा के मिटा दो। एक-दूजे नै गले लगाओ अर कहो- "भाई, दुल्हंडी सै, भूल जा सारी बात।"

दुल्हंडी हरियाणा की वो परंपरा सै, जो सिखावै सै के जिंदगी में थोड़ा रंग, थोड़ी शरारत अर ढेर सारी हंसी जरूरी सै। बाकी अगर कोई ज्यादा रंग दे तो बुरा मत मानियो- दुल्हंडी सै!

शाम होते-होते सब थक के चूर हो जावें सै। कोई नाली में फिसल के आया हो सै, कोई बाल्टी से भीग के। पर चेहरे पे मुस्कान जरूर हो सै। कपड़े चाहे खराब हो जावें, पर यादां नईं धुलें सै।

तो भई, दुल्हंडी हरियाणा की वो परंपरा सै जो सिखावै सै कि जिंदगी में थोड़ा रंग, थोड़ी शरारत अर ढेर सारी हंसी जरूरी सै। बाकी अगर कोई ज्यादा रंग दे दे तो बुरा मत मानियो- दुल्हंडी सै!

खबर संक्षेप

बाइक चोरी का आरोपी काबू, बाइक बरामद

टोहाना। मोटरसाइकिल चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना शहर टोहाना पुलिस ने आरोपी को काबू कर चोरीशुदा बाइक बरामद की है। थाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि इस बारे दिनेश कुमार पुत्र देवराज निवासी सैनी चौक टोहाना ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि 4 फरवरी को सुबह वह अपनी मोटरसाइकिल न्यू सब्जी मंडी टोहाना में दुकान के बाहर खड़ी कर दुकान के अंदर गया था। दोपहर को वापस लौटने पर वाहन वहां से गायब मिला। निजी स्तर पर तलाश करने के बावजूद कोई सुराग नहीं मिला। शिकायत के आधार पर थाना शहर टोहाना में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

स्कूटी छीना-झपटी में दो आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने स्कूटी छीना-झपटी की वारदात का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य आरोपी की पहचान कर ली गई है। आरोपियों की पहचान गांव मौजदीन निवासी रणजीत सिंह उर्फ मिथुन और सुखविंदर सिंह उर्फ जेबी के रूप में हुई है। रानियां थाना प्रभारी शिव किसान केंद्र, नानुआना रोड रानियां के मालिक ने पुलिस को शिकायत दी थी। उन्होंने बताया कि वह रात करीब 8 बजे पंप से घर लौट रहे थे। सुल्तानपुरिया रोड स्थित स्टेडियम के पास पहुंचने पर बाइक के पास तीन युवक खड़े दिखाई दिए। आरोप है कि एक युवक ने बाइक स्कूटी के आगे लगा दी, जिससे स्कूटी गिर गई। इसी दौरान अन्य युवकों ने स्कूटी और मोबाइल फोन छीन लिया और मौके से फरार हो गए।

दो शोधार्थियों की पीएचडी वाइवा संपन्न

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में दो शोधार्थियों की पीएचडी वाइवा सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इनमें एक शोध फिल्म अध्ययन पर आधारित था, जबकि दूसरा शोध हरियाणा राज्य के कॉलेज शिक्षकों के ऑनलाइन खरीद व्यवहार पर केंद्रित रहा। विभागाध्यक्ष एवं दोनों शोधार्थियों के शोध निदेशक प्रो. सेवा सिंह बाजवा ने बताया कि शोधार्थी सुरेंद्र पाल सिंह की पीएचडी वा वाइवा में फिल्म निर्देशक विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित अब तक बनी कुल दस फिल्मों का लाक्षणिक अध्ययन प्रस्तुत किया गया। इस शोध में मकबूल, हैदर और ओंकारा सहित उनकी सभी प्रमुख फिल्मों का गहन विश्लेषण किया गया।

लूट में संलिप्त एक और आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। कालांवाली पुलिस ने गांव तित्रोकेवाला-तारूआना रोड पर हुई लूट मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। कालांवाली थाना प्रभारी सुनील कुमार ने रविवार शाम पांच बजे के दौरान बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान आकाशदीप सिंह के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि आरोपी के कब्जे से लूटी गई 16,000 रुपये की राशि व फोन भी बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि रणजीत सिंह ने पुलिस को शिकायत दी कि बीती 13 फरवरी को वह अपने मोटरसाइकिल से जगमालवाली मेले में गया था। रात को वापस लौटते समय अज्ञात लोगों ने उस पर हमला कर उससे नकदी, मोबाइल व पर्स छीन लिया और फरार हो गए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए इस मामले में आरोपी आकाशदीप को कालांवाली क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है।

दो दिवसीय फाल्गुन महोत्सव संपन्न

सिरसा। श्री खाटू श्याम धाम रानियां रोड में दो दिवसीय फाल्गुन महोत्सव संपन्न हो गया। मंदिर के प्रवक्ता दीपेश गोयल ने बताया कि एकादशी मेले के दिन प्रातः श्याम बाबा की श्रृंगार आरती से महोत्सव का शुभारंभ हुआ। पूरे दिन श्याम बाबा का मेला आयोजित किया गया और दूर-दूर से आकर भक्त बाबा के दर्शन करने के लिए पहुंचे। इस अवसर पर प्रातः भक्तों को खीर-चूरमे व 56 भोग का प्रसाद वितरण किया गया।

‘होली के रंग-कवियों के संग’ कार्यक्रम का आयोजन

चलो मोहल्ले में फिर हुड़दंग मचाते हैं, होली पर इस बार तेरी गलियों से होकर जाते हैं

■ कवियों ने शब्दों की रंगीन बौछारों से सभी को भिगोया

हरिभूमि न्यूज ▶▶|फतेहाबाद

फतेहाबाद। कवि सम्मेलन में मुख्यअतिथि डॉ. ओमप्रकाश कादयान का स्वागत करते सदस्यगण। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा कला-संस्कृति मंच, फतेहाबाद एवं नीर धरोहर सोसाइटी, मताना के सौजन्य से ‘होली के रंग - कवियों के संग’ कार्यक्रम का आयोजन बीघड़ रोड स्थित सेंट जोसफ स्कूल में किया गया। विद्यालय के एमडी शिक्षाविद् सर्वजीत सिंह मान की अध्यक्षता व प्राचार्य रण सिंह रेपसवाल के संरक्षण में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार व यायावर डॉ. ओमप्रकाश कादयान थे।

टोहाना से आए कवि-लेखक डॉ. नवल सिंह तथा हिसार से आई साहित्यकार डॉ. सुमन कादयान विशेष आमंत्रित अतिथि तथा हिन्दी सलाहकार समिति, वित्त मंत्रालय के सदस्य पवन सागर एवं हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के प्रधान राजपाल मिताथल विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कवि डॉ. सुदामा शास्त्री ने मंच संचालन किया। हरियाणा कला संस्कृति मंच के जिला प्रधान व युवा कवि डॉ. रणधीर मताना ने अतिथियों का स्वागत किया तथा नीर धरोहर सोसाइटी की अध्यक्ष मुकेश वर्मा ने सभी का धन्यवाद किया।

आमंत्रित कवियों डॉ. सुरेश पंचारिया, सुमनलता ‘सुमन’, सन्तोष शीला, देवेन्द्र अशंक, सुरेन्द्र जांडली, डॉ. सुदामा शास्त्री, पवन सागर, रणधीर मताना, डॉ. सुमन कादयान, नवल सिंह, राजपाल मिताथल, डॉ. बलराज यथार्थ व हरज्ञान सुथार ने रंगीन काव्य फुहारों से सबको अन्तर्मन तक भिगोया। रंगों की फुहार, गुलाल का हुड़दंग, बसन्त की मादकता, फाग का आकर्षण, होली की मस्ती, व्यंग्य तीर सब इस कार्यक्रम में देखने को मिला। डॉ. सुरेश पंचारिया ने अपने शब्दों की पिचकारी श्रोताओं व कवियों पर कुछ यूँ फेंकी, ‘रंग-बिरंगी उत्सव वाली सबकी होली आई है, मस्ती की पिचकारी लेकर कवियों की टोली आई है’। युवा कवि देवेन्द्र अशंक ने कहा, ‘फागण में रंग बरसे भरतार जल्द आइयो रे, हमरे लिए एक प्रेम का तोफा भी तुम लाइयो रे’। कवयित्री सुमनलता ‘सुमन’ ने होली खेलने की तैयारियां कुछ इस तरह से की, ‘चलो जी चलते हैं बाजार, रंग लेकर आयेंगे चार, गुलाबी, पीला, नीला, लाल, सभी रंगों से मुझको प्यार’। वरिष्ठ कवि-लेखक डॉ. सुमन कादयान ने होली की मस्ती को इस तरह से बयां किया, ‘चलो गली मोहल्ले में फिर से हुड़दंग मचाते हैं, होली पर इस बार तेरी गलियों से होकर जाते हैं’।

फाग के उल्लास का सुन्दर तरीके से वर्णन किया

हिन्दी प्रवक्ता सन्तोष शीला ने फाग के उल्लास का सुन्दर तरीके से वर्णन किया, ‘रंगोत्सव का यह पर्व प्यारा, ढोलक, डफ, मृदंग बजे मंजीरा, गिले-शिकवे सब द्वेष मिटा, फैले चारों तरफ भाईचारा’। टोहाना से आए कवि-लेखक डॉ. नवल सिंह ने होली के रंगों व मस्ती को देशभक्ति से जोड़ते हुए कहा, ‘मीठी बोली, रंग से भरी झोली, निकली मस्तों की टोली, मिटा भेदभाव सब आजादी के मतवालों ने, खून से अपने खेली होली’। रणधीर मताना ने ‘फागुन में रंगों का आया त्यौहार, जीवन में आई खुशियों की बहार’ कविता सुनाई तो डॉ. सुदामा शास्त्री ने आह्वान किया, ‘इन्द्रधनुष के सात रंगों से होली आज मनायेंगे, अपने पराये का भेद सारा हम आज मिटायेंगे’। पवन सागर ने अपने भाव बेहतरीन ढंग से यूँ व्यक्त किए, ‘छिड़े सुरीले गीत रसीले फागण में, आजा ओ मनमीत रसीले फागण में’। राजपाल मिताथल ने हरियाणवी अंदाज में शब्दों की बौछारों से सभी को होली के रंगों में भिगोकर मदमस्त किया।

सिरसा। कपास मंडी में प्रवचन करते बाबा हरिनाम दास तथा उपस्थित श्रद्धालुजन।

इंद्रियों को संसार में नहीं, निरंकार में लगाओः बाबा हरिनाम दास

हरिभूमि न्यूज ▶▶|सिरसा

पांचों इंद्रियों को संसार में नहीं, निरंकार में लगाओ। इन पर अंकुश लगाकर रखो। ये इंद्रियां ही परमात्मा से जोड़ती हैं और ये इंद्रियां ही परमात्मा से दूर ले जाती हैं। ये प्रवचन रविवार को कपास मंडी सिरसा में विशाल भक्ति सत्संग के दौरान डेरा बाबा भूमण शाह मल्लेवाला के गद्दीनशीं महंत बाबा हरिनाम दास ने कहे। बाबा हरिनाम दास ने सतयुग, द्वापर युग से लेकर भक्तिकाल के महान संतों के उपदेशों का बखान किया। भक्तिकाल के महान संतों में से एक बाबा भूमण शाह ने दुनिया की भलाई और सुख शांति की के लिए आध्यात्मिक कार्य किए। बाबा हरिनाम दास ने श्रद्धालुओं को सच्चे मन से निस्वार्थ भाव से प्रभु सिमरन करने के साथ-साथ वर्तमान सामाजिक चुनौतियों से संजीदगी से निपटने का आह्वान किया। दो दिनों से लगातार सेवा कार्य में जुटे श्रद्धालुओं को बाबा हरिदास दास ने अपने पावन वचनों से निहाल किया। उन्होंने समूह संगत को बाबा भूमण शाह के बताए रास्ते पर चलने का संदेश दिया। माता शबरी की जीवन गाथा सुनाते हुए उन्होंने जीव हत्या न करने, ऊंच-नीच व जातिभेद से दूर रहने और सच्चे भक्त के गुणों का बखान किया। नशे के दुष्परिणामों को बताते हुए युवा पीढ़ी को इनसे बचने का संदेश दिया।

ये रहे उपस्थित

इस विशाल भक्ति सत्संग में डेरा बाबा भूमण शाह, मंगाला के गद्दीनशीं महंत बाबा रणजीत दास, डेरा बाबा भूमण शाह रत्ताखेड़ा से बाबा हरिदास की गरिमामई उपस्थिति के साथ-साथ भाजपा नेता जगदीश चोपड़ा, भाजपा नेता शीशपाल कंबोज, पूर्व मंत्री रणजीत चौटाला, भाई कन्हैया आश्रम से पद्मश्री गुरदयाल सिंह, आढ़ती एसोसिएशन से गुरदयाल मेहता, अमन चोपड़ा सहित सिरसा के नगर पार्षदों व हजारों श्रद्धालुओं ने भी सत्संग में उपस्थिति दर्ज करवाई।

सीनियर नर्सिंग ऑफिसर निर्मला देवी को दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶|सिरसा

सिरसा। सीनियर नर्सिंग ऑफिसर निर्मला देवी को सेवानिवृत्ति पर सम्मानित करते हुए।

नागरिक अस्पताल में सीनियर नर्सिंग ऑफिसर के पद पर कार्यरत निर्मला देवी की सेवानिवृत्ति पर स्टाफ की ओर से सम्मान समारोह आयोजित किया गया। नर्सिंग एसोसिएशन के जिला प्रधान राजकुमार भारद्वाज ने बताया कि समारोह में बतौर मुख्यातिथि पीएमओ डॉ. पवन कुमार व डॉ. आरके दहिया ने शिरकत की। स्टाफ सदस्यों ने फूलमालाओं से निर्मला देवी का स्वागत किया और सम्मानसूचक पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। इसके बाद सभी स्टाफ सदस्यों ने उपहार देकर उन्हें सम्मानित किया और उनके स्वस्थ जीवन की कामना की। डॉ. पवन ने एसएनओ निर्मला देवी द्वारा जिला नागरिक अस्पताल में दी गई सेवाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि अपने सेवाकाल के दौरान उन्होंने परिवार की तरह मरीजों की सेवा की।

ये रहे उपस्थित

मंच संचालन राजविंद्र ने किया। इस मौके पर मैटर्न गायत्री, सचिव अमित, कैशियर मुकेश, प्रीतपाल, रजनी, गीता, मीना, बिमला, शशि, अनीता, मंजू, शिमला सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

सीनियर सिटीजन वेलफेयर ट्रस्ट की मासिक बैठक, सदस्यों का मनाया संयुक्त जन्मदिन

रतिया। सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन ट्रस्ट की मासिक मीटिंग एवं संयुक्त जन्मदिन समारोह ट्रस्ट के कार्यालय में आयोजित किया गया। प्रधान बिकर सिंह एडवोकेट ने बताया कि एक माह में जितने सदस्यों का जन्मदिन होता है, उन सबका हम संयुक्त रूप में जन्मदिन मनाते हैं। उन्होंने कहा कि सीनियर सिटीजन होम के भवन निर्माण का कार्य जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा। इस सेवा कार्य के लिए डॉ नरेश गोयल ने भवन निर्माण में दानस्वरूप 30111 रुपये देने की घोषणा की। उल्लेखनीय है कि डॉ. नरेश गोयल ने इससे पहले भी भवन निर्माण के लिए 21 हजार का सहयोग किया है। मीटिंग के बाद फरवरी महीने में प्रकाशवान तीन सदस्यों में शिशन पाल मंगला एवं पवन सिंगला का केक काट कर जन्मदिन मनाया गया। तीसरे सदस्य कैप्टन गुरुमुख सिंह भुल्लर किसी कारण नहीं पहुंच सके हैं। एडवोकेट बलिंद्र शर्मा द्वारा मंच संचालन किया गया। इस अवसर पर गगन स्वरूप मंगला, राम पाल जिंदल, गुरनाम सिंह तेलीवाड़ा, कैप्टन जगजीत सिंह, कृष्ण सिंह चित्रकार, धर्म पाल कानूनगो, मा. मेजर सिंह, मा. सुखदेव सिंह सिंह, मा. राज कुमार खिप्पल, धर्मपाल, कंवलजीत सिंह एवं तेजिन्द्र सिंह औजला मौजूद थे।

शिविर में हुई 200 मरीजों की नेत्र जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶|सिरसा

श्री कृष्णा मानव कल्याण समिति की ओर से निःशुल्क आंखों की जांच का मेगा कैंप आयोजित किया गया। संस्था के प्रधान राजेंद्र बजाज एडवोकेट ने बताया कि इस शिविर में 200 मरीजों के नेत्रों की जांच आईक्यू हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सक द्वारा आधुनिक मशीनों से की गई। उन्होंने बताया कि संस्था समय-समय पर इस तरह के निःशुल्क मेडिकल कैंपों का आयोजन कर समाज के जरूरतमंद और वंचित वर्ग की सहायता में हमेशा तत्पर रहती है। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष रमेश मेहता एडवोकेट थे। उन्होंने कहा कि यह संस्था सही अर्थों में समाज के जरूरतमंदों की सहायता कर रही है।

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर डॉ. राजेश गोदारा, वीरेंद्र अरोड़ा, ललित चुघ एडवोकेट, मनोहरलाल मेहता, विनोद बंसल, रविंद्र बजाज, हरमेश सरीन, अमित, राजीव बजाज, पंकज जैन एडवोकेट, रवि सरदाना एडवोकेट, सुनील मेहता, नवीन ग्रोवर, राजेश सोनी एडवोकेट, सुमनबाला, स्वीटी बजाज, रिया सोढ़ी, मुंशी राम मेहता भी मौजूद थे।

किसान प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी घोषित

हरिभूमि न्यूज ▶▶|सिरसा

■ गुरमीत सिंह को प्रकोष्ठ का वरिष्ठ उपप्रधान बनाया गया है जबकि गुरदीप सिंह औलख को प्रधान महासचिव मनोनीत किया

■ सभी नवचयनित पदाधिकारियों को शुभंकामनाएं दी

जननायक जनता पार्टी के किसान प्रकोष्ठ के जिला संयोजक शगनजीत सिंह गिल ने प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी घोषित की। जेजेपी के प्रेस प्रवक्ता अमर सिंह ज्याणी ने बताया कि घोषित कार्यकारिणी में गुरमीत सिंह को प्रकोष्ठ का वरिष्ठ उपप्रधान बनाया गया है जबकि गुरदीप सिंह औलख को प्रधान महासचिव मनोनीत किया है। इसी प्रकार रणजीत सिंह कुंडर, सुभाष बेनीवाल, मास्टर रामचंद्र, निहाल सिंह व माना सिंह को संयुक्त रूप से उपप्रधान बनाया है जबकि रामकुमार गोदारा, रोहताश शेरडिय़ा, सुभाष, रामनाथ गोदारा व सुखपाल सिंह को संयुक्त रूप से प्रकोष्ठ का महासचिव बनाया गया है। वहीं दयाराम बेनीवाल, वकील, जसपाल सिंह दंदीवाल, रपिंद्र सिंह बिट्टू, राजेंद्र सिंवर, गुरतेज सिंह, बलजिंद्र सिंह, जसविंद्र सिंह व रणजीत मारू को सचिव पद की जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने सभी नवचयनित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें किसानों के हितों में कार्य करने का आह्वान किया है। वहीं नवचयनित पदाधिकारियों ने भी शीर्ष नेतृत्व को भरोसा दिलाया है कि वे किसानों की भलाई के लिए हरसंभव कार्य करेंगे।

बेटियों की शिक्षा से होती है उन्नति : डॉ. जोगिंद्र सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶|सिरसा

सिरसा। जागरुकता रैली निकालते हुए छात्राएं।

राजकीय महिला महाविद्यालय सिरसा में साप्ताहिक शिविर के दूसरे दिन सडक़ सुरक्षा को लेकर जागरूकता रैली निकाली गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता राजकीय महाविद्यालय ऐलनाबाद के सहायक प्रो. जोगिंद्र सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में बेटियों की शिक्षा और सशक्तिकरण समाज की प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है। डॉ. जोगिंद्र सिंह ने भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह अभियान केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का आंदोलन है। उन्होंने कहा कि बेटियों को शिक्षा, समान अवसर और सुरक्षित वातावरण प्रदान कर ही सशक्त समाज की स्थापना की जा सकती है। उन्होंने छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने, अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया। कॉलेज के उप प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने छात्राओं से कहा कि जीवन केवल सिद्धांतों तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें व्यवहार में उतारना ही वास्तविक सफलता की कुंजी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि व्यक्तित्व का समग्र विकास करना है।

ओढ़ा में निशुल्क हेल्थ चेकअप कैंप लगाया

ओढां। गांव ओढां में कालांवाली रोड पर स्थित नवी आरसीएम पिकअप सेंटर पर फ्री हेल्थ चैकअप कैंप लगाया गया। सेंटर के संचालक धर्मवीर न्योल ने बताया कि आरसीएम की ओर से हर माह हेल्थ कैंप लगाया जाता है, जिसमें अब तक काफी संख्या में मरीज लाभ ले चुके हैं। रविवार को इस कैंप में रॉयल डायग्नोस्टिक सेंटर सिरसा की टीम ने 45 सैंपल एकत्रित किए जिसमें शुगर, हीमोग्लोबिन, कोलेस्ट्रॉल और थायराइड के निशुल्क टेस्ट किए गए। कैंप में डॉक्टर दीपी मेहरा, डॉक्टर शंकर और डॉक्टर राजपाल वर्मा ने अपनी सेवाएं दी। इस कैंप को सफल करने में धर्मवीर न्योल, धर्म चंद, मास्टर बिहारीलाल, सुखजीवन, मास्टर सुरेश सोनी, रामपाल, राजवीर सिंह व विजय कुमार आदि ने सहयोग किया।

योजना सोलर पैनल स्थापना पर केंद्र व राज्य सरकार दे रही आकर्षक सब्सिडी : डीसी

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली

ऑनलाइन आवेदन कर उठाएं स्वच्छ ऊर्जा योजना का लाभ, सालाना 18 हजार रुपये तक की बचत संभव

हरिभूमि न्यूज ▶▶|फतेहाबाद

बिजली बिलों के बढ़ते बोझ से राहत दिलाने और हर घर को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आमजन के लिए वरदान साबित हो रही है। इस महत्वाकांक्षी योजना के माध्यम से अब आम नागरिक अपने घर की छत पर सोलर पैनल लगवाकर न केवल मुफ्त बिजली प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि अतिरिक्त बिजली बेचकर आय भी अर्जित कर सकते हैं। यह जानकारी देते हुए डीसी डॉ. विवेक भारती ने जिला वासियों से इस जनकल्याणकारी योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान करते हुए कहा कि यह पहल स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ आर्थिक बचत और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डीसी ने बताया कि योजना के तहत पात्र परिवार अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल स्थापित कर हर माह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्राप्त कर सकते हैं। इससे एक परिवार को प्रतिवर्ष लगभग 15,000 से 18,000 रुपये तक की बचत संभव है। डीसी ने बताया कि इच्छुक नागरिक योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी पोर्टल पर प्राप्त कर सकते हैं तथा आवेदन की प्रक्रिया पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पूरी कर सकते हैं। डीसी ने बताया कि सोलर संयंत्र स्थापना पर केंद्र सरकार द्वारा आकर्षक सब्सिडी प्रदान की जा रही है।1 किलोवाट सिस्टम पर 30 हजार रुपये, 2 किलोवाट सिस्टम पर 60 हजार रुपये तथा 3 किलोवाट या अधिक पर 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी दी जा रही है।

डीसी डॉ. विवेक भारती।

■ इच्छुक नागरिक योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी पोर्टल पर प्राप्त कर सकते हैं

राज्य सरकार की अतिरिक्त सहायता

डीसी ने बताया कि जिन परिवारों की परिवार पहचान पत्र में वार्षिक आय 1 लाख 80 हजार रुपये से कम है, उन्हें राज्य सरकार की ओर से भी अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान की जा रही है। दो किलोवाट का संयंत्र स्थापित कराने पर कुल 1 लाख 10 हजार रुपये तक की सब्सिडी उपलब्ध करवाई जा रही है। योजना के तहत उपभोक्ता अतिरिक्त उत्पन्न बिजली को बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम्स) को बेचकर अतिरिक्त आय भी अर्जित कर सकते हैं। इससे न केवल बिजली बिलों से राहत मिलेगी बल्कि परिवार की आमदनी में भी वृद्धि होगी। डीसी ने कहा कि यह योजना सौर ऊर्जा को बढ़ावा देकर कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में सहायक सिद्ध होगी। साथ ही सोलर पैनल की आपूर्ति, स्थापना और रखरखाव से संबंधित कार्यों के माध्यम से युवाओं एवं छोटे उद्यमियों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

न्यूज डायरी

सेवानिवृत्त हुए मौलिक मुख्याध्यापक सतीश शर्मा

फतेहाबाद। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बड़ोपल के मौलिक मुख्याध्यापक सतीश शर्मा शिक्षा विभाग में अपनी 32वर्ष की बेदाग व शानदार सेवा के बाद आज सेवानिवृत हो गए। इन 32वर्षो के सेवाकाल में इन्होंने जिला फतेहाबाद, हिसार, सिरसा व मेवात में अपनी उत्कृष्ठ सेवाएं दी। विद्यालय परिवार बड़ोपल द्वारा इनके सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। मौलिक मुख्याध्यापक सतीश शर्मा को शुभकामनाएं देते हुए विजय कुमार ने कहा कि सतीश शर्मा ने सीखने को आनंददायक बनाने और सभी को प्रेरित करने का काम किया है। इनके ज्ञान, सहयोग और दयालुता ने विद्यार्थियों व समाज के भविष्य को संवारा है। इन्होंने एक अच्छे शिक्षक के रूप में अपने सभी दायित्वों को पूर्ण समर्पण के साथ निभाया है। प्राचार्या अनीता रानी ने कहा कि सतीश शर्मा ने छात्रों को बेहतर इंसान बनने तथा उन्हें जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्रत्येक कार्य में इनका अहम योगदान रहा है। एईओ अनूप भाखर ने कहा कि सतीश शर्मा ने शिक्षा के क्षेत्र में 32 वर्ष की उत्कृष्ठ सेवा, संयम, सहनशीलता व प्रत्येक व्यक्ति के प्रति विनम्रता की एक मिसाम कायम की है। विद्यालय परिवार द्वारा सतीश शर्मा व इनके समस्त पारिवारिक सदस्यों को उपहार लेकर सम्मानित किया। मंच संचालन इतिहास प्राध्यापक मदन गोपाल आर्य ने किया। इस अवसर पर प्राचार्या अनिता रानी, तरुण गेरा, प्रवक्ता सीमा गर्ग बंसल, सुनीता सहारण, सीमा भ्याणा, सुनीता जांगू, रेणू बाला सहित स्टाफ के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

पैरा सीटिंग वॉलीबॉल नेशनल चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

रतिया। उत्तरप्रदेश में हुई पैरा सीटिंग वॉलीबॉल नेशनल चैंपियनशिप में हरियाणा की महिला टीम ने अपने अदम्य साहस और बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा किया है। टीम की इस ऐतिहासिक जीत से पूरे प्रदेश में खुशी की लहर है। टीम की वरिष्ठ खिलाड़ी उर्मिला निवासी गांव लाली ने जीत की जानकारी साझा करते हुए बताया कि प्रतियोगिता के दौरान हरियाणा की टीम ने शानदार तालमेल दिखाया। फाइनल मुकाबले में टीम ने विपक्षी टीम को धूल चटाते हुए राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन किया। उर्मिला ने बताया कि यह जीत टीम की कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का परिणाम है।

राजेंद्रा स्कूल ऑफ नर्सिंग की छात्राओं का दबदबा

सिरसा। पंडित भगवत दयाल शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज रोहतक द्वारा घोषित किए गए जीएनएम द्वितीय वर्ष के परिणामों में एक बार फिर राजेंद्रा स्कूल ऑफ नर्सिंग की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले में अपना दबदबा कायम रखा। घोषित परिणामों में जिले में पहला स्थान राजेंद्रा स्कूल ऑफ नर्सिंग की छात्रा आरजू ने 700 में से 520 अंक लेकर प्राप्त किया। इसी प्रकार खुशमीत ने 700 में से 517 अंक प्राप्त कर जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं संस्थान की छात्रा मुस्कान ने 700 में से 495 अंक प्राप्त कर कॉलेज में तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्राओं की इस उपलब्धि से संस्थान, शिक्षकों और अभिभावकों में खुशी का माहौल है। संस्थान के चेयरमैन एन.के. गुप्ता एवं सचिव पुलकित गुप्ता ने उपरोक्त छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि यह परिणाम उनकी मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है।

आईटीआई के प्रधानाचार्य राकेश शर्मा सेवानिवृत्त

सिरसा। आईटीआई सिरसा के प्रधानाचार्य राकेश शर्मा के सेवानिवृत्ति पर संस्थान परिसर में विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के वर्तमान प्रधानाचार्य बुधराम कंबोज, राकेश कुमार, कपिल शर्मा व समस्त प्रशिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी, उनके मित्रगण तथा परिवार के सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने राकेश शर्मा के उत्कृष्ट नेतृत्व, अनुशासनप्रिय कार्यशैली एवं विद्यार्थियों के कौशल विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। सभी ने कहा कि उन्होंने अपने 37 वर्षों के कार्यकाल में संस्थान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पंच परिवर्तन के पालन से देश का विकास : कर्मवीर

सिरसा। शहर के सीएमके रोड स्थित दुर्गा मंदिर हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता कर्मवीर ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में पंच परिवर्तन लाना है। समाज में नैतिक मूल्ययुक्त परिवार हो, पर्यावरण की रक्षा के लिए लगातार प्रयास किए जाएं, सामाजिक समरसता हो, स्वदेशी जीवनशैली अपनाएं व नागरिक अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी पालन करें। उन्होंने कहा कि इन पंच परिवर्तनों का हम पालन करके देश के विकास में अपना अहम योगदान दे सकते हैं। उन्होंने अखंड भारत के संकल्प और एकता का संदेश दिया। हिंदु सम्मेलन के संयोजक दर्शन चावला ने कहा कि राष्ट्र को वर्तमान परिवेश में इस प्रकार के सम्मेलनों की परम आवश्यकता है।

खबर संक्षेप

ईश्वर का स्मरण बुराइयों से बचाता है : अरुणचन्द्र

फतेहाबाद। आगम के प्रकाण्ड ज्ञाता, योगीराज अरुणचन्द्र महाराज ने अपने प्रवचन में जीवन के हर पल में ईश्वर को याद रखने, पुरानी बातों को भूलने और तनावमुक्त जीवन जीने का अत्यंत मार्मिक संदेश दिया। श्याम नगर स्थित एस.एस. जैन सभा में धर्मसभा को संबोधित करते हुए गुरुदेव ने कहा कि हमें हर समय भगवान को याद रखना चाहिए। उन्होंने दैनिक जीवन के उदाहरण देते हुए समझाया कि जब हम भोजन कर रहे हों, तब प्रभु का स्मरण हमें गलत वस्तु खाने से रोकता है और हम मांसाहार जैसी प्रवृत्तियों से दूर रहते हैं। इसी प्रकार स्नान करते समय भी भगवान का ध्यान करने से दुर्विचार दूर होते हैं।

फर्जी डिजीलॉकर एप से रहें सावधान : एसपी

फतेहाबाद। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने नागरिकों को फर्जी डिजीलॉकर मोबाइल ऐप के माध्यम से हो रही साइबर ठगी को लेकर सतर्क करते हुए साइबर सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। उनका कहना है कि डिजीलॉकर भारत सरकार द्वारा जारी एक आधिकारिक डिजिटल वॉलेट है। एसपी ने बताया कि मंत्रालय द्वारा चेतावनी जारी की गई है कि प्ले स्टोर पर डिजीलॉकर के नाम से मिलते-जुलते कई फर्जी ऐप उपलब्ध हैं, जो देखने में बिल्कुल सरकारी ऐप जैसे प्रतीत होते हैं, लेकिन इनका उद्देश्य केवल नागरिकों की जानकारी चोरी करना है।

बारस धोक के साथ संपन्न हुआ फाल्गुन मेला

सिरसा। नोहरिया बाजार स्थित प्राचीन श्री श्याम मंदिर में आयोजित भव्य फाल्गुन मेले का समापन श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। मंदिर सहसंरक्षक तेजपाल शर्मा ने बताया कि प्रातः 9 बजे बाबा की पावन बारस धोक लगाई गई। इस दौरान मंदिर प्रांगण भक्तों के जयकारों से गूंज उठा और वातावरण पूर्ण रूप से भक्तिमय हो गया। विशाल रसोई भंडारा प्रातः 10.15 बजे से आयोजित किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इससे पूर्व रात्रि 9 बजे से फागुन विशेष धमाल का आयोजन हुआ, जिसमें राजस्थान के राजलदेसर से आई प्रसिद्ध कमल पार्टी ने मनमोहक प्रस्तुति दी। पारंपरिक राजस्थानी धुनों और फागुन के रंग में रंगे भजनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए।

विज्ञान दिवस पर प्रतियोगिता का आयोजन

सिरसा। चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी स्कूल फॉर ग्रेजुएट स्टडीज (यूएसजीएस) द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम विज्ञान में महिलाएं-विकसित भारत को गति देने वाली शक्ति रही, जिसके अनुरूप विभिन्न शैक्षणिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ यूएसजीएस की समन्वयक डॉ. ज्योति ने गया।

गांव के चौक में आयोजित होता है कार्यक्रम

भाईचारा और पानी बचाने के संदेश के साथ 3 से 6 मार्च तक तीन दिन चलेगा सामूहिक फाग उत्सव

22 साल से मनाई जा रही बैजलपुर गांव की 'कोरड़ा होली'

दलबीर सिंह ▶▶ भूना

हरियाणा की लोक संस्कृति की जीवंत तस्वीर देखनी हो तो गांव बैजलपुर का रुख कीजिए। यहां पिछले 22 वर्षों से होली के बाद दुलहंडी पर सामूहिक फाग उत्सव मनाने की अनोखी परंपरा निभाई जा रही है। इस बार 3 मार्च से 6 मार्च तक गांव के चौक में 20 साल के युवाओं से लेकर 70 वर्षीय बुजुर्गों तक के देवर-भाभी के जोड़े 'कोरड़ा होली' में अपना दमखम दिखाएंगे। बैजलपुर की यह परंपरा केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द और परंपराओं के संरक्षण का प्रतीक बन चुकी है। वर्ष 2004 में हवलदार सतबीर सिंह झाझडिया, मास्टर रोहताश भाखर और धर्मवीर कादियान आदि के नेतृत्व में बनी कमेटी ने हुड़दंग और पानी की बर्बादी को रोकने के उद्देश्य से सामूहिक फाग मनाने की पहल की थी। गांववासियों ने एकजुट होकर इसे अपनाया और तभी से परंपरा जारी है।

कढ़ाई का पानी और रस्सी के कोरड़े, परंपरा का अनोखा रंग

(फाइल फोटो)

गांव के सामान्य चौक में लोहे की बड़ी कढ़ाई पानी से भरकर रखी जाती है, साथ ही आसपास टैंकरों में पानी का स्टॉक किया जाता है। कढ़ाई के पास खड़ी महिलाएं चुन्नी, कपड़े और मजबूत रस्सियों से बने कोरड़ों से रिश्ते में देवर लगने वाले युवाओं पर वार करती हैं, वहीं युवा कढ़ाई से पानी भरकर महिलाओं पर डालते हैं। यह पूरा दृश्य उत्साह, हंसी-ठिठोली से गूंज उठता है। खास बात यह है कि यह सब मर्यादा और आपसी सम्मान के साथ होता है।

विजेताओं को सम्मान, युवाओं को जिम्मेदारी

फाग उत्सव के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाले देवर-भाभी के जोड़ों को आकर्षक उपहार देकर सम्मानित किया जाता है। इससे युवाओं में उत्साह और बढ़ता है। ग्राम पंचायत बैजलपुर के सरपंच हेमंत बैजलपुरिया का कहना है कि इस परंपरा का मूल उद्देश्य भाईचारा कायम रखना और पानी की अनावश्यक बर्बादी रोकना है। आज भी युवाओं की टीम बुजुर्गों की इस विरासत को पूरी निष्ठा से आगे बढ़ा रही है। उन्होंने बताया कि बैजलपुर की 'कोरड़ा मार होली' अब दूर-दूर तक प्रसिद्ध हो चुकी है। आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग इस अनोखी फाग को देखने पहुंचते हैं। ग्राम पंचायत ने भी आयोजन के सफल संचालन के लिए युवाओं को पूरा सहयोग देने की घोषणा की है।

लहरियां में बागवानी विभाग की ओर से जिला स्तरीय बागवानी सम्मेलन

घटती कृषि भूमि के दौर में किसानों के लिए बागवानी खेती प्रभावी विकल्प :सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भूना

गांव लहरियां में बागवानी विभाग की ओर से जिला स्तरीय बागवानी सम्मेलन का आयोजन डीएचओ डॉ. राजेश कुमार की अध्यक्षता में किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में विभाग से डॉ. जोगिंद्र सिंह, मिशन निदेशक, हरियाणा बागवानी ने शिरकत की। इस दौरान किसानों को विभाग की योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। इसमें जिलाभर के 16 प्रगतिशील किसानों को निदेशक ने प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डॉ. जोगिंद्र सिंह ने कहा कि घटती कृषि भूमि के दौर में किसानों के लिए बागवानी खेती अपनाना एक प्रभावी विकल्प है। तकनीकी विधियों से कम जमीन पर अधिक और बेहतर उत्पादन लिया जा सकता है। किसान फसल का मूल्य संवर्धन और सीधी बिक्री के माध्यम से मुनाफा दो से चार गुना तक बढ़ा सकते हैं।साथ ही एकीकृत खेती अपनाते हुए कृषि के साथ पशुपालन, मत्स्य पालन और लगभग 40 प्रतिशत क्षेत्र में बागवानी को शामिल करने पर जोर दिया। उन्होंने किसानों को एफपीओ के माध्यम से विभाग से जुडऩे की सलाह दी।

भूना। जिला स्तरीय बागवानी सम्मेलन में मौजूद अधिकारी।

16 किसानों ने स्टॉल लगाकर दी जानकारी

जिलास्तरीय बागवानी सम्मेलन में एक स्टॉल बागवानी विभाग ने अपनी योजनाओं की जानकारी देने के लिए लगाई। इसके अतिरिक्त 16 प्रगतिशील किसानों ने स्टाल लगाकर योजनाओं के महत्व को समझाया। इनके अतिरिक्त बागवानी की खेती में प्रयोग होने वाल यंत्रों के स्टाल लगाए और उन पर मिलने वाले अनुदान के बारे में किसानों को जानकारी दी।

मधुमक्खी पालन पर मिल रही सब्सिडी

भूमिहीन किसानों के लिए मधुमक्खी पालन और मशरूम उत्पादन पर 85 प्रतिशत तक सब्सिडी उपलब्ध कराकर आय बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर कीट विशेषज्ञ डॉ. घनश्याम सिहाग व डॉ. राजविंदर कौर तथा डॉ. रितिका डॉ. विवेक बेनीवाल, डॉ. पवन कुमार ने किसानों को बागवानी की फसलों से संबंधित जानकारी दी। प्राकृतिक खेती अपनाने और मौसमी फसलों के चयन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी सांझा की। सम्मेलन में जिलेभर के 700 से अधिक किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर बागवानी खेती के प्रति अपनी रुचि दिखाई। जिला स्तरीय बागवानी सम्मेलन में लहरिया के सरपंच प्रतिनिधि जगदीश नेहरा व नंबरदार राजेश नेहरा का विशेष योगदान रहा।

यह किसान हुए सम्मानित

फतेहाबाद ब्लॉक के गांव झलानिया निवासी हरीश कुमार व केसरा कुमार चिढ़ड़, भट्टूकला निवासी मनोज, जाखल ब्लॉक के शंकरपुरा निवासी सतनाम सिंह व रताथे निवासी सुखजीवन सिंह, टोहाना ब्लॉक के इंदाछोई निवासी रोहतास कुमार, व बुडनपुर निवासी रोशन लाल, भूना ब्लॉक के जांड़ली निवासी सुरेश कुमार व गोरखपुर निवासी सतपाल तथा नाढोड़ी निवासी राधेश्याम और ढाणी सांचला रोहताश कुमार, रतिया ब्लॉक के बलियाला निवासी सुरेंद्रमुखी व भरपूर निवासी नरेंद्र सिंह तथा जाखल ब्लॉक के गांव शकरपुरा निवासी राज को निदेशक ने प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। वहीं, विभाग चार किसानों को योजनाओं के अनुदान के चेक भी वितरित किए।

फतेहाबाद। ज्ञान-विज्ञान समिति के जिला सम्मेलन में भाग लेते सदस्यगण।

मंगत सिंह बने ज्ञान-विज्ञान समिति के जिलाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

हरियाणा ज्ञान-विज्ञान समिति, फतेहाबाद का दूसरा जिला सम्मेलन शहीद भगत सिंह पब्लिक लाइब्रेरी में आयोजित किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं लाइब्रेरी के संचालक भगवंत सेठी ने की और मंच संचालन जिला संयोजक सन्दीप महिया ने किया। सम्मेलन का उद्घाटन राज्य उपाध्यक्ष सोहन दास ने किया। उन्होंने ज्ञान-विज्ञान आंदोलन के परिपेक्ष पर चर्चा करते हुए समिति बनने से अब तक के सफर पर संक्षिप्त प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 90 के दशक में चले साक्षरता अभियानों के दौरान तमाम अनपढ़ों को बढ़ाने के लिए देश भर में चलाए गए अभियान में समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। तभी से वैज्ञानिक मानसिकता और सामाजिक न्याय के पक्ष में वातावरण बनाने के लिए समिति लगातार अभियान चलाए हुए है।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की

इसमें मा. मंगत सिंह को जिलाध्यक्ष, मा. सन्दीप महिया को जिला सचिव, सुनील कुमार को कोषाध्यक्ष, मा. रोहताश को उपाध्यक्ष तथा अभिषेक को सहसचिव चुना गया। इनके साथ ही भगवन्त सेठी, मनफूल सिंह ढाका, रामपाल, जगमोहन गोल्डी, राजीव सेतिया, अमन कुमार, संदीप कुमार भाटिया कालोनी, जयप्रकाश मानावाली को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। समापन सत्र में राज्य सचिव सुरेश कुमार ने प्रतिनिधियों का आह्वान किया कि 11 से 13 अप्रैल को करनाल में होने वाले राज्य सम्मेलन में भाग लें। उन्होंने कहा कि संगठन का निर्माण किया जाना चाहिए। जहां पुस्तकालयों, लर्निंग सेंटरों और शिक्षा केन्द्रों का सुचारू संचालन किया जाएगा।

सम्मेलन में आगामी 3 वर्षों के लिए 15 सदस्यीय जिला कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया।

जनचेतना दिवस को लेकर तैयारियां तेज

2 मार्च को दिग्विजय चौटाला करेंगे फतेहाबाद का दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद।

जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 13 मार्च को हांसी में आयोजित होने वाले 'जनचेतना दिवस' समारोह को सफल बनाने के लिए पार्टी ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में सोमवार 2 मार्च को जेजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला फतेहाबाद का दौरा करेंगे। जेजेपी के युवा जिलाध्यक्ष जतिन खिलेरी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि दिग्विजय चौटाला कल दोपहर एक बजे स्थानीय जाट धर्मशाला स्थित 7 स्पाइस होटल पहुंचेंगे। यहां वे जिले भर के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण मीटिंग लेंगे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य 13 मार्च की रैली के लिए कार्यकर्ताओं की ड्यूटियां लगाना और फतेहाबाद से भारी संख्या में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। जतिन खिलेरी ने बताया कि कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के लिए रविवार को कार्यकर्ताओं की एक विशेष बैठक आयोजित की गई।

फतेहाबाद। बैठक में मौजूद जजपा नेता।

रैली की तैयारियों पर विस्तारपूर्वक हुई चर्चा

इस बैठक में दिग्विजय चौटाला के आगमन और रैली की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिला महासचिव ओमप्रकाश गोदारा, रामकिशन बाजिया, अमित चावला, भजनलाल, शिव कुमार, अमित चौहान सहित अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि 13 मार्च को हांसी में होने वाला आयोजन केवल एक जन्मदिन समारोह नहीं, बल्कि एक विशाल जनचेतना दिवस होगा। दिग्विजय चौटाला कल कार्यकर्ताओं को इस रैली के महत्व को समझाएंगे और जनसंपर्क अभियान चलाने के निर्देश देंगे।

मधुमक्खी पालकों को मिलेगी आर्थिक सुरक्षा

फतेहाबाद। हरियाणा सरकार द्वारा भावांतर भरपाई योजना के अंतर्गत शहद का संरक्षित मूल्य 120 रुपए प्रति किलोग्राम निर्धारित किया गया है। इससे मधुमक्खी पालकों को बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव से राहत मिलेगी और उन्हें अपने उत्पाद का उचित मूल्य सुनिश्चित होगा। डीसी डॉ. विवेक भारती ने बताया कि हरियाणा सरकार ने मधुमक्खी पालकों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भावांतर भरपाई योजना के तहत शहद के लिए संरक्षित मूल्य तय किया है। यह निर्णय सरकार की किसान हितैषी सोच और कृषि से जुड़ी सहायक गतिविधियों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि मधुमक्खी पालन किसानों के लिए आय का महत्वपूर्ण अतिरिक्त स्रोत बनकर उभरा है। यह न केवल किसानों की आमदनी बढ़ाता है, बल्कि परागण के माध्यम से फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में भी भूमिका निभाता है।

ढाणी गोपाल में श्रीमद् भागवत कथा का समापन, अंतिम दिन हुआ भंडारा

■ व्याप्त कुरीतियों, अत्याचार और अनाचार को दूर कर संगठित व संस्कारित समाज निर्माण का आह्वान : साध्वी शांति पुरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भूना

ढाणी गोपाल गांव स्थित डेरा बाबा हरनाम गिरी में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का सातवें दिन श्रद्धा और उल्लास के साथ समापन हो गया। अंतिम दिन भजन-कीर्तन और विधिवत हवन यज्ञ के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर देसी घी की जलेबियों सहित पूरे दिन भंडारा चलता रहा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कथा के सातवें दिन सुदामा चरित्र और परीक्षित मोक्ष प्रसंग का वर्णन किया गया। व्यास पूजन, हवन और भक्तिमय भजनों के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण को विदाई दी। कथावाचक ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, वात्सल्य और दुष्टों के संहार की कथाएं सुनाकर भक्तों को भावविभोर किया।

भूना। श्रीमद्भागवत कथा में कथावाचक शांतिपुरी को तिलक लगाकर सम्मान करते

प्रेम व भक्ति अपनाने का दिया संदेश

गीता के सार के माध्यम से उन्होंने युवाओं को प्रेम, भक्ति और सदाचार अपनाने का संदेश दिया। अंतिम दिन कंस वध, शिशुपाल वध, कुबजा उद्धार और सुदामा चरित्र के प्रसंगों पर श्रद्धालु भावुक हो उठे और भजनों की धुन पर झूमते नजर आए। कथा के दौरान समिति द्वारा प्रतिदिन प्रसाद वितरित किया गया। धारसूल डेरा एवं गौशाला प्रमुख श्री श्री 1008 संत पुरी, जूना अखाड़ा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और आशीर्वाद प्रदान किया।

प्राचार्य कंबोज को दी भावभीनी विदाई

गोरखपुर विद्यालय में मनाया गया सम्मान समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भूना

गांव गोरखपुर स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मुख्याध्यापक कश्मीर लाल कंबोज के सेवानिवृत्ति अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। लंबे समय तक शिक्षा सेवा में समर्पित रहे कंबोज के योगदान को याद करते हुए शिक्षकों, विद्यार्थियों और जनप्रतिनिधियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। समारोह में विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया, कांग्रेस जिला अध्यक्ष अरविंद शर्मा, सांसद कुमारी शैलजा के भतीजे चंद्र हर्ष, सुधीर धारणिया, बलजिंदर सिंह ठरवी सहित कांग्रेस कमेटी के उप-प्रधान, महासचिव और सचिवगण विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने कश्मीर लाल कंबोज को शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। वक्ताओं ने कहा कि कंबोज ने अपने कार्यकाल में विद्यालय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अनुशासन, गुणवत्ता शिक्षा और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सदैव प्रेरणादायक रहेगी।

भूना। कश्मीर लाल कंबोज को सेवानिवृत्ति पर सम्मानित करते हुए।

एमएम कॉलेज के छात्रों ने मनाली एडवेंचर कैंप में लहराया परचम

स्वयंसेवकों ने राज्य स्तरीय शिविर में दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय सिरसा में आयोजित सात दिवसीय राज्य स्तरीय एन.एस.एस. शिविर में मनोहर मेमोरियल कॉलेज, फतेहाबाद के स्वयंसेवकों ने अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ उनमें सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना जागृत करना था। इस शिविर में एम.एम. कॉलेज के 11 स्वयंसेवकों के एक दल ने हिस्सा लिया। इस टीम में 5 छात्र लवप्रीत, कार्तिक, कार्तिक सोनी, कमल, दीपेंद्र और 6 छात्राएं नीलम, मनभरी, कंचन रानी, लखबीर कौर, खुशी और उर्मिला शामिल रहीं। इसके अलावा एमएम कॉलेज की दो छात्राओं कुलसिमर और प्रकाश कौर ने मनाली में आयोजित एडवेंचर कैंप में भाग लिया। इस कैंप का आयोजन 17 से 26 फरवरी 2026 तक किया गया। कठिन परिस्थितियों में ट्रैकिंग, कैंपिंग और टीम वर्क के माध्यम से इन छात्राओं ने साहस और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया। प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास, डॉ. मीनाक्षी कोहली, मेजर डॉ. रजनी वर्मा ने शुभकामनाएं दी।

फतेहाबाद। कैम्प से लौटे एनएसएस स्वयंसेवकों को बधाई देते प्राचार्य व अन्य

नृत्य व संगीत से लोक संस्कृति का किया प्रदर्शन

शिविर का सबसे आकर्षक हिस्सा हर शाम आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे। विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए छात्रों ने नृत्य, संगीत और कविता पाठ के जरिए अपनी लोक संस्कृति का प्रदर्शन किया। साथ ही, छात्रों की रचनात्मकता निखारने के लिए भाषण, नारा लेखन और निबंध लेखन जैसी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। इनमें एमएम कॉलेज के विद्यार्थियों ने शानदार सहभागिता की। डॉ. प्रतिभा मखीजा ने बताया कि इसी अवधि के दौरान, कॉलेज की दो छात्राओं कुलसिमर और प्रकाश कौर ने मनाली में आयोजित एडवेंचर कैंप में भाग लिया। शिविर में उन्होंने कठिन परिस्थितियों में तालमेल बिठाने, पर्वतारोहण और नेतृत्व क्षमता का प्रशिक्षण प्राप्त किया।